	Hkkfrd 'kkL= ,o Ñf"k ekSle foKku foHkkx tokgjyky ug: Ñf"k fo'ofo|ky;] tcyiqj d`f"k ekSle lykg lsok,¡ **(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)**	

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. ओम गुप्ता, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॉ. एम. के. अवस्थी, सस्य विज्ञान डॉ. पी. बी. शर्मा, फल विज्ञान –डॉ. एस. के. पांडे, सब्जी विज्ञान – डॉ. बी. आर. पांडे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. एल. एस. सेखावत

o"kZ&2020	vad&60	fnukad 22 ls 26 vxLr 2020	fnukad% 21-08-2020

¼ftyk tcyiqj ds fy, tokgjyky ug: Ñf"k fo'ofo|ky; tcyiqj ,o ekSle dsUnz Hkksiky }kjk l;Dr :i ls tkjh½

vkxkeh ikp fnuksa dk ekSle iwokZuqeku&

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान मे घने बादल रहने एवं वर्षा होने की संभावना है । हवा 14.3 से 19.0किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 29.0 से 32.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22.0 से 23.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

EkkSleh rRo @fnukad	22/08/2020	23/08/2020	24/08/2020	25/08/2020	26/08/2020
Ok"kkZ ¼fe-eh-½	25	18	10	8	9
vf/kdre rkieku ¼fM-ls-½	29	29	30	32	32
U;wure rkieku ¼fM-ls-½	23	22	22	23	23
vkisf{kr vknzrk ¼lqcg½	98	94	93	89	85
vkisf{kr vknzrk ¼'kke½	84	81	80	75	73
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	15.2	16.8	14.3	16.5	19
gok dh fn'kk	पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम
Ckknyksa dh fLFkfr	घने	घने	घने	घने	घने

ekSle vk/kkfjr lkIrkfgd d`f"k ijke'kZ fnukad 22 ls 26 vxLr 2020

lkekU; lykg	• अगामी पॉच दिनों में पूर्वी मध्य प्रदेश के जिलों में मध्यम वर्षा होने की संभावना है। • धान एवं सोयाबीन में खरपतवारनाशी का प्रयोग निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों की सलाह से करें। • सोयाबीन एवं दलहनी फसलों में लगातार होने वाली वर्षा के कारण जलभराव की स्थिति पर जल निकास हेतु नालियों की व्यवस्था करें।
/kku%	• आगामी दिनों में वर्षा होने की संभावना है । अतः खेतों की मेढ़ों के मोधों की मरम्मत कर बांधने का कार्य करें जिससे वर्षा जल का संरक्षण हो सके । • खेत में मचौआ करने के बाद पूर्व में तैयार धान की पौध की रोपाई करें एवं एक स्थान पर 2–3 पौध निश्चित अंतराल पर लगाऍ । • मौसम खुलने पर धान जो 20–30 दिन की हो गई है, वहॉ पर खरपतवारनाशी का उपयोग कर नियंत्रण करें। इसके उपरांत आवश्यकतानुसार नत्रजन की पूर्ति यूरिया से करें। • सीधी बुवाई हेतु अल्पावधि किस्म की तुरंत बुवाई करें। बुवाई पूर्व बीजों को फफूंदनाशी दवा से उपचारित करें। अधिक जानकारी हेतु निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक से सलाह लें।
lks;kchu	• फसल मे नीला भृंग (ब्लू बीटल) का प्रकोप हेाने पर क्वीनालफॉस (1.5 ली. /है.) का छिड़काव कर नियंत्रण करें। • सोयाबीन की फसल 15–20 दिन की हो एवं बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी अनुशंसित खरपतबार नाशकों का प्रयोग नहीं किया हो, उन स्थानो में सोयाबीन की खड़ी फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशक का प्रयोग करें। • फसल की निरंतर निगरानी करें । सफेद मक्खी का प्रकोप दिखने पर सर्वगीन कीटनाशक दचाइयों का छिडकाव करें । पीला मोजेक से ग्रसित पौधों को उखाड़कर नष्ट करे।
Qynkj o`{k	• वृक्षों के आसपास नींदा नियंत्रण करें। • नये बगीचों में रोपित पौधों के सहारे के लिए लकड़ियॉ लगा दें । • वृक्षों के बीच से पानी निकासी के लिए नाली बनाऍ ताकि खेत में जल भराव की स्थिति निर्मित न हो ।
lfCt;k¡	• हल्दी एवं अदरख के खेतों में आवस्यकतानुसार जल निकास करें । • खरीफ प्याज, बैगन, टमाटर, मिर्च की नर्सरी नगाऍ । खेत में बतर आने के बाद पौधों की रोपाई करें । • भिण्डी में फल छेदक इल्ली का प्रकोप बढ़ेगा । निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र से सलाह लें। • टमाटर, बैगन एवं मिर्ची अदि फसलों की नर्सरी में अर्द्ध गलन रोग की सम्भावना हो सकती है अतः किसी भी फफूदनाशक दवा की 1 से 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से 10–15 दिन के अन्तराल पर दो वार छिड़काव करे।
Ik'kq ,oa eqxhZ ikyu	• वर्षा ऋतु में होने वाली वीमारियों की रोकथाम के उपाय करें गलघोटॅ एवं लगड़ी बुखार से बचाव हेतु टीकाकरण बरसात से पहले करें। इसके साथ ही पशुओं को कृमिनाशक दवा पिलाये। • दुधारू गायों को नियमित स्वच्छ पानी पिलाऍ एवं मच्छरों से वचाव हेत पशुशाला में कीट नाशकों का छिड़काव करें। • पशुओं को हरा चारा उचित मात्रा मे दें।

तकनीकी अधिकारी

दिनांक: 21 अगस्त 2020